ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-08-2021

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-08-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-08-18	2021-08-19	2021-08-20	2021-08-21	2021-08-22
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	37.0	37.0	37.0	36.0	36.0
न्यूनतम तापमान(से.)	28.0	28.0	27.0	27.0	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	49	52	57	59	59
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	27	26	26	32	45
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	24.0	24.0	25.0	18.0	20.0
पवन दिशा (डिग्री)	257	249	248	244	237
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	4	5	7	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में आसमान में बादल छायें रहने के साथ 21 अगस्त को कहीं कहीं पर हल्की बूंदा बांदी होने की सम्भावना हैं। अधिकतम तापमान 36.0 से 37.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 27.0 से 28.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

खरीफ फसलों में कीटो की रोकथाम के लिए प्रकाश प्रपंश का प्रयोग कर सकते है। इसके लिए एक टब या किसी बडे बरतन में पानी और थोडा कीटनाशी मिला कर एक बल्ब जलाकर खेत के बीच में रखें। प्रकाश से कीट आकर्षित होकर उसी घोल मे गिर कर मर जाएगे।

लघु संदेश सलाहकार:

21 अगस्त को कहीं कहीं पर हल्की बूंदा बांदी होने की सम्भावना हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँग	मूंग की फसल में सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए डायमिथोएट 30 ई.सी. एक लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँगफली	मूंगफली की फसल में दीमक और सफेद ग्रब को नियंत्रित करने के लिए सिंचाई के पानी के साथ क्लोरोपाइरीफॉस @ 2.5 लीटर / हेक्टेयर डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	आर्द्र और शुष्क वातावरण के कारण घरेलू मक्खी/अन्य के संक्रमण से बचने के लिए पशु शेड के आसपास साफ-सफाई रखें। 50 ग्राम आयोडीनयुक्त नमक या 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति दिन चारे और हरे चारे के साथ खिलाएं ताकि वे स्वस्थ रहें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	फसलों में उगे खरपतवारों को निकाल दे जिससे खरपतवारों द्वारा होने वाली पानी की हानि को कम किया जा सके।